Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to address the problems being faced by Shiksha Mitras in Uttar Pradesh.

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी (बस्ती) : माननीय अध्यक्षा जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदया, मैं आपका ध्यान उत्तर प्रदेश में शिक्षा मित्रों पर आए हुए संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ। उत्तर प्रदेश की पिछली सरकार की गलतियों व अनियमित समायोजन के कारण लगभग 1 लाख 75 हजार से ज्यादा शिक्षा मित्रों व उनके परिजनों का भविष्य अधर में लटक गया है।

महोदया, पुरानी सरकार की लापरवाही के कारण माननीय उच्च न्यायालय ने इस समायोजन को लगभग खारिज कर दिया है। इसमें इन लाखों शिक्षा मित्र भाई-बहनों का क्या दोख़ है? शिक्षा मित्र उत्तर प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा की रीढ़ हैं। उनका समायोजन रद्द होने से उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है और शिक्षा मित्रों एवं उनके परिजनों के समक्ष भुखमरी और बेरोजगारी का संकट आ गया है।

अतः मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से यह माँग करता हूँ कि लाखों शिक्षा मित्रों एवं उनके परिजनों के हितों को देखते हुए तत्काल प्रभाव से कोई ठोस एवं स्थाई कदम उठाया जाए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।